प्रथम वर्ष कला/वाणिज्य
प्रथम अयन एवं द्वितीय अयन

कोर्स न.	प्रथम अयन/द्वितीय अयन
प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)	
1 A	प्रयोजनमूलक हिंदी
1 B	प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)	
1 A	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र
1 B	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र
प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)	
1 A	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र
1 B	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)

(प्रथम अयन)

पाठ्यचर्या : प्रयोजनमूलक हिंदी – 1 A

3 कर्माक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य से परिचित कराना।
2. हिंदी कहानी साहित्य का परिचय देना।
3. हिंदी भाषा में संप्रेषण कौशल विकसित करना।
4. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल का विकास करना।
5. मौलिक लेखन की ओर रूझान बढ़ाना।
6. विज्ञापन लेखन की कला अवगत कराना।
7. हिंदी भाषा का विशुद्ध लेखन कौशल विकसित करना।
8. हिंदी कंप्यूटिंग का सामान्य परिचय देना।

	प्रथम सत्र/प्रथम अयन
इकाई – I	प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूपगत विशेषताएँ। प्रयोजनमूलक हिंदी और सामान्य हिंदी में अंतर।
इकाई – II	प्रयोजनमूलक हिंदी व्यवहार क्षेत्र : बैंक, बीमा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, जनसंचार माध्यम। हिंदी भाषा के विविध रूप : बोली भाषा, राजभाषा,
इकाई – III	हिंदी भाषा के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा। कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य : प्रारूपण, संक्षेपण, टिप्पण, प्रतिवेदन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।
अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 15, शोध परियोजना – 10, प्रस्तुतिकरण – 05)

सत्रांत परीक्षा – 70

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 15 = 60
टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख,
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
4. सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी – पृथ्वीनाथ पाण्डेय
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोरख थोरात
6. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक – अखिलेश मिश्र
7. चौथा खम्भा प्राइवेट लिमिटेड – दिलीप मंडल
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. राजभाषा हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
10. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी में आंदोलन का इतिहास – डॉ. उद्यनारायण दूबे

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : प्रयोजनमूलक हिंदी – 1 B

3 कर्माक

1. छात्रों को विज्ञापन लेखन से परिचित कराना।
2. दृश्य श्रव्य की संकल्पना से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा में संप्रेषण कौशल विकसित करना।
4. हिंदी कंप्यूटिंग से अवगत कराना।

	द्वितीय सत्र/द्वितीय अयन
इकाई–I	विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप, विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन के माध्यम, विज्ञापन का महत्व।
इकाई –II	दृश्य श्रव्य : रेडियो– विज्ञापन का स्वरूप, शैली एवं विशेषताएँ, निर्माण प्रक्रिया। अनुवाद : स्वरूप, परिभाषा एवं महत्व, अनुवाद के गुण। अंक तथा गणितीय चिह्नों का देवनागरी में लेखन।
इकाई –III	पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयीन) 100 शब्द। हिंदी कंप्यूटिंग : यूनिकोड (Unicode) की जानकारी। इंटरनेट की सामान्य जानकारी। हिंदी सॉफ्टवेअर की जानकारी।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।
अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 15, शोध परियोजना – 10, प्रस्तुतिकरण – 05)

सत्रांत परीक्षा – 70

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 15 = 60
टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
3. प्रयोजनमूलक हिंदी (भाषिक संरचना, व्याकरण एवं अनुवाद) – डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. प्रयोजनूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम वाजपेयी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
5. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी – संपा. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
6. हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरु
7. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय
8. अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र – डॉ. गोपाल राय
9. राजभाषा हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
10. भाषा और प्रौद्योगिकी – डॉ. विनोद कुमार प्रसाद
11. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोरख थोरात
12. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
13. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
14. प्रिंट मीडिया लेखन – हरीश हरोड़ा
15. कथा विवेचना और गद्यशिल्प – रामविलास शर्मा

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(प्रथम अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 A

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल विकसित करना।
4. मौलिक लेखन की ओर रूझान बढ़ाना।
5. विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।
6. अनुवाद संबंधी जानकारी देना।
7. हिंदी कंप्यूटिंग का परिचय देना।

	प्रथम सत्र/प्रथम अयन
इकाई – I	**कहानी साहित्य :** एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव सप्रे ईदगाह – प्रेमचंद जिंदगी और गुलाब के फुल – उषा प्रियंवदा युद्ध – शानी मिसेस डिसूजा के नाम पत्र – अलका सरावगी
इकाई – II	**काव्य साहित्य :** जुही की कली – निराला मैं नीर भरी दुख की बदली – महादेवी वर्मा कालिदास – नागार्जुन रोटी और संसद – धूमिल धार – अरुण कमल
इकाई – III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** संवाद कौशल, सूत्रसंचालन, समूह चर्चा हिंदी कंप्यूटिंग : यूनिकोड (Unicode) की जानकारी। इंटरनेट की सामान्य जानकारी हिंदी सॉफ्टवेअर की जानकारी।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमें प्रथम दो इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 15, शोध परियोजना – 10, प्रस्तुतिकरण – 05)

सत्रांत परीक्षा – 70

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 15 = 60

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य विविधा – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश – विनोद कुमार मिश्र
3. समाचार एवं प्रारूप लेखन – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेशकुमार गुप्त
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. कविता की संगत – विजय कुमार

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 B

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. निबंध लेखन कौशल को विकसित करना।
4. छात्रों को विज्ञापन लेखन से अवगत करना।

	द्वितीय सत्र/द्वितीय अयन
इकाई– I	**काव्य साहित्य :** आदमी को प्यास लगती है – ज्ञानेंद्रपति रोशनी के उस पार – ओमप्रकाश वाल्मीकि उतनी दूर मत ब्याहना बाबा – निर्मला पुत्तुल किताबें झाँकती हैं – गुलज़ार नींव की ईंट हो तुम दीदी – उद्यप्रकाश
इकाई –II	**गद्य विधा :** सरजू भैया – रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्र) भय – आ. रामचंद्र शुक्ल (निबंध) एक बूंद सहसा उछली – अज्ञेय (यात्रा वर्णन) अकबरी लौटा – अन्नपूर्णानंद वर्मा (व्यंग्य) प्रतिशोध – डॉ. रामकुमार वर्मा (एकांकी)
इकाई –III	**एकांकी तथा साहित्येतर पाठ्यक्रम :** लेखन कौशल : स्ववृत्त लेखन निबंध लेखन विज्ञापन लेखन : (दैनिक पत्र–पत्रिकाओं के लिए) वाक्य शुद्धिकरण (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया के संबंध में)

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमें प्रथम दो इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 15, शोध परियोजना – 10, प्रस्तुतिकरण – 05)

सत्रांत परीक्षा – 70

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 15 = 60

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ ग्रंथ :

1. साहित्य विविधा – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. चौथा खम्भा प्राइवेट लिमिटेड – दिलीप मंडल
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. विशुद्ध हिंदी भाषा – डॉ. सदानंद भोसले
6. देवनागरी लिपि – संपा. डॉ. शहाबुद्दीन शेख

प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)

(प्रथम अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 A

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल विकसित करना।
4. मौलिक लेखन की ओर रूझान बढ़ाना।
5. विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।
6. हिंदी कंप्यूटिंग का परिचय देना।

	प्रथम सत्र / प्रथम अयन
इकाई – I	**काव्य साहित्य :** स्वदेश के प्रति – सुभद्राकुमारी चौहान हो गई पीर – दुष्यंत कुमार पिता के जूते – अशोक वाजपेयी पेड़ की पुकार – शंभुनाथ सिंह उदास तुम – धर्मवीर भारती
इकाई – II	**कहानी साहित्य :** भोलराम का जीव – हरिशंकर परसाई उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी व्यथा का सरगम् – अमृतराय जंगल दाह – स्वयंप्रकाश सबसे कठिन काम – मधु कांकरिया
इकाई – III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** अंक तथा गणितीय चिह्नों का देवनागरी में लेखन हिंदी कंप्यूटिंग : यूनिकोड (Unicode) की जानकारी। इंटरनेट की सामान्य जानकारी हिंदी सॉफ्टवेयर की जानकारी।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमें प्रथम दो इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 15, शोध परियोजना – 10, प्रस्तुतिकरण – 05)

सत्रांत परीक्षा – 70

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 15 = 60

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य सौरभ – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश – विनोद कुमार मिश्र
3. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
4. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास – राम बन्सल
6. जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. राम लखन मीणा

प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 B

3 कर्मांक

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल विकसित करना।
4. विज्ञापन लेखन के प्रकारों को अवगत करना।
5. अनुवाद का स्वरूप से अवगत करना।
6. पारिभाषिक शब्दावली से अवगत कराना।

	द्वितीय सत्र/द्वितीय अयन
इकाई – I	**काव्य साहित्य :** अब की लौटा तो – कुंवरनारायण कलगी बाजरे की – अज्ञेयए माँझी का पूल – केदारनाथ सिंह बापू के प्रति –सुमित्रानंदन पंत माँ के लिए एक कविता – कात्यायनी
इकाई – II	**कहानी साहित्य :** पहलवान की ढोलक – फणीश्वरनाथ रेणु सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि बच्चे का सपना – शेखर जोशी बोलनेवाली औरत – ममता कालिया चिट्ठी – अखिलेश
इकाई – III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** संवाद कौशल अनुवादः स्वरूप, परिभाषा, व्यावहारिक पक्ष पारिभाषिक (कार्यालयीन) 100 शब्दावली।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमें प्रथम दो इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 15, शोध परियोजना – 10, प्रस्तुतिकरण – 05)

सत्रांत परीक्षा – 70

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 15 = 60

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य सौरभ – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र – डॉ. गोपाल राय
3. प्रिंट मीडिया लेखन – हरीश हरोड़ा
4. राजभाषा विविधा – डॉ. माणिक मृगेश
5. व्यावहारिक हिंदी – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
6. भाषा शिक्षण – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. फणीश्वरनाथ रेणु के कालजयी चरित्र : मनोविश्लेषण – विजय अवस्थी